Dainik Jagran (Hindi)
14-4-17, Page-4 →

दून स्कूल के पूर्व हेडमास्टर का निधन

देहरादून: जाने-माने शिक्षाविद् व दून स्कूल

के पूर्व हेडमास्टर गुलाब रामचंदानी नहीं रहे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और मैक्स अस्पताल में भर्ती थे। उनके देहावसान से शिक्षा जगत स्तब्ध है।

बसंत विहार निवासी गुलाब रामचंदानी शिक्षा जगत में एक जाना-माना नाम थे। उनका जन्म 24 दिसम्बर 1918 को हुआ। वह पहले ऐसे शख्स थे जिन्होंने दून स्कूल से शिक्षा ग्रहण की और बाद में वहीं हेडमास्टर रहे। वह वर्ष 1979 से 1988 तक स्कूल के हेडमास्टर रहे। वह वेल्हम ब्वायज, संस्कार इंटरनेशनल व सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल की गवर्निंग बॉडी में भी रहे। इसके अलावा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम बदलाव उनके नाम हैं। शिक्षा की बेहतरी के लिए वह लगातार काम करते रहे। पूर्व राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि उनका श्री रामचंदानी से अनेक वर्ष पुराना संबंध रहा। वह गरीब और हाशिये पर टिके जनजातीय छात्रों के लिए विशेष शिक्षा पद्धति के हिमायती थे। उनके निधन से उत्तराखंड के शिक्षा जगत में एक रिक्तता आ गयी है। तरुण विजय ने कहा कि गुलाब रामचंदानी में सुदूर उत्तर पूर्वांचल के छात्रों के लिए एक विशेष अनुराग और आत्मीयता देखी थी।